PRABHAT KHABAR, DATE-31.08.17

अंजबितसिंह कॉलेज के प्रति छात्रों में बढ़ी रुचि

बिक्रमगंज (रोहतास). बदहाल शिक्षा को सुधारने की जद्दोजेहद में लीन अंजबितसिंह महाविद्यालय के प्राचार्य के सार्थक प्रयास के बाद आठ में से छह छात्रों के कैंपस सेलेक्शन से महाविद्यालय की तरफ छात्रों का रुझान बढ़ता नजर आने लगा है. स्थिति यह कि यहां नामांकन की टकटकी लगाये छात्र- छात्राओं में अपने नंबर आने का इंतजार है. शिक्षा व्यवस्था की जुगाड़ टेक्नोलॉजी की बदौलत खाली पड़े शिक्षकों की सीट में 12 शिक्षक एडहॉक पर बहाल हैं. इसके बावजूद कई शिक्षकों को अलग से बुलाकर भी पढ़ाई कराते प्राचार्य जवाहर लाल कहते कि बार-बार शिक्षकों की कमी का रोना-रोने के बावजूद विश्वविद्यालय अब तक कमी पूरा नहीं कर सका. इसके बावजूद गत वर्ष 2016 में बीसीए में नामांकित 18 छात्रों में से 8 ने फाइनल परीक्षा दी. इसमें से छह का कैंपस सेलेक्शन भुवनेश्वर के टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट में हुआ. इसमें एक छात्रा भी शामिल थी. आज उसी का परिणाम है कि 40 सीटों वाले बीसीए क्लास के लिए अब तक 12 छात्र नामांकित हो गये, जिसमें से पांच छात्रा है. इसकी सफलता से अभिभूत महाविद्यालय ने विश्वविद्यालय को बीबीए एवं कॉमर्स विषय के साथ एमए के लिए राजनीति शास्त्र एवं मनोविज्ञान विषय की जरूरत बताते हुए मंजूरी का प्रस्ताव भेजा गया है.

किस विषय के शिक्षक नहीं है

महाविद्यालय में रसायन शास्त्र, वनस्पति शास्त्र, गणित, उर्दू, संस्कृत के शिक्षक के अलावे एक भी महिला शिक्षक नहीं है, जिसके कारण जहां इन विषय के लिए छात्रों को ट्यूशन का सहारा लेना पड़ता है. वहीं महिला शिक्षिका के नहीं होने से कोई छात्रा होस्टल में रहने को तैयार नहीं है.

केंद्रीय मंत्री और सभापति ने कॉलेज के विकास में लगाया हाथ : केंद्रीय मानव संसाधन राज्य मंत्री सह स्थानीय सांसद उपेंद्र कुशवाहा ने प्राचार्य की मांग पर 10 लाख की लागत से एक अत्याधुनिक सेमिनार हॉल निर्माण की अनुशंसा प्रदान की. वहीं विधान परिषद सभापति अवधेश नारायण सिंह ने दिव्यांगों के लिए तीन लाख की लागत से आधुनिक तकनीकी से लैस एक लाइब्रेरी की अनुशंसा की है.

मातृभाषा हिंदी के विभाग ललन प्रसाद सिंह कहते हैं कि हिंदी में अब छात्रों का रुझान कम होता जा रहा है. जबकि अन्य विषयों के अपेक्षाकृत इसमें रोजगार के संसाधन अधिक है. महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ जवाहर लाल कहते हैं कि यहां के छात्रों में पढ़ाई को लेकर काफी उत्साह है. पर शिक्षकों की नियमित उपस्थिति के बावजूद छात्र- छात्राएं वर्ग संचालन में उपस्थित नहीं होते. जो काफी दुखद है.